आरती जय संतोषी मां की

मैं तो आरती उतारूं रे संतोषी माता की
जय जय संतोषी माता जय जय मां
बड़ी ममता है बड़ा प्यार मां की आंखों में
बड़ी करुणा माया दुलार मां की आंखों में
क्यूं न देखूं मैं बारम्बार मां की आंखों में
दिखे हर घड़ी नया चमत्कार मां की आंखों में
नृत्य करूं झूम झूम झम झमा झम झूम झूम
झांकी निहारूं रे ओ प्यारी-२ झांकी निहारूं रे
मैं तो आरती उतारूं रे संतोषी माता की ।
जय जय संतोषी माता जय जय मां
सदा होती है जय जयकार मां के मन्दिर में
नित झांझर की हो झंकार मां के मन्दिर में
सदा मंजीरे करते पुकार मां के मन्दिर में
दिखे हर घड़ी नया चमत्कार मां के मन्दिर में
दीप धरूं धूप धरूं प्रेम सहित भक्ति करूं
जीवन सुधारूं रे ओ प्यारा-२ जीवन सुधारूं रे
मैं तो आरती उतारूं रे संतोषी माता की ।

विवरण

जय हे माँ संतोषी ! हम आपकी आरती उतार रहे हैं । आपकी आँखों में अपने भक्तों के प्रति बड़ा ही अपनापन है, प्रेम है, दया एवं लाड़प्यार है, फिर मैं आपके इस अनुपम रूप को बार-बार क्यों नहीं देखूँ ? आपके इस रूप में हर समय नई - नई विचित्रता ही दिखाई देती है ।

आपकी इन निराली आँखों को देखकर झूम-झूम कर नृत्य करुँगी तथा आपकी झाँकी देखूँगी एवं आपकी आरती उतारा करुँगीं । हे माँ! आपके मन्दिर में सदा आपकी जय - जयकार होती रहती है तथा हमेशा

पायलों की झंकार से आपका मन्दिर गूँजता रहता है तथा आपके भक्त गण हमेशा आपकी पुकार करते रहते हैं तथा आपके मन्दिर में कोई अद्‌भुत चमत्कार होता ही रहता है ।

मैं दीपक एवं धूप जलाकर अनुराग पूर्वक आपकी पूजन करूँगी तथा आपकी भक्ति को पाकर अपना जीवन साकार कर लूँगी तथा आपकी आरती उतारूँगी ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.